

(1A)



University of Rajasthan Jaipur

SYLLABUS

M.A. Hindi

Annual Scheme

M.A. (Previous) Examination 2021

M.A. (Final) Examination 2022

Raj / Jaipur

[Handwritten signature]

**SCHEME OF EXAMINATION
(Annual Scheme)**

Each Theory Paper	3 hrs. duration	100 Marks
Dissertation Thesis/ Survey Report/ Field Work, if any.		100 Marks

- The number of papers and the maximum marks for each paper/practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in the practical part (wherever prescribed) of a subject/paper separately.
- A candidate for a pass at each of the Previous and the Final Examinations shall be required to obtain (i) atleast 36% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the examination and (ii) atleast 36% marks in practical(s) wherever prescribed at the examination, provided that if a candidate fails to secure atleast 25% marks in each individual paper at the examination and also in the dissertation/ survey report/field work, wherever prescribed, he shall be deemed to have failed at the examination, notwithstanding his having obtained the minimum percentage of marks required in the aggregate for that examination. No division will be awarded at the Previous Examination. Division shall be awarded at the end of the Final Examination on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examinations taken together, as noted below:

First Division 60% } of the aggregate marks taken together
Second Division 48% } of the Previous and the Final Examinations.

All the rest will be declared to have passed the examination.

- If a candidate clears any papers(s) / Practical(s) / Dissertation prescribed at the Previous and/or Final Examination after a continuous period of three years, then for the purpose of working out his division the minimum pass marks only viz. 25% (36% in the case of practical) shall be taken into account in respect of such Paper(s) / Practical(s)/ Dissertation are cleared after the expiry of the aforesaid period of three years; provided that in case where a candidate requires more than 25% marks in order to reach the minimum aggregate as many marks out of those actually secured by him will be taken into account as would enable him to make up the deficiency in the requisite minimum aggregate.
- The Thesis/ Dissertation/ Survey Report Field Work shall be type-written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Registrar at least 3 weeks before the commencement of the theory examinations. Only such candidates shall be permitted to offer Dissertation/ Field Work/ Survey Report Thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paper as have secured at least 55% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the previous examination in the case of annual scheme and I and II semester examinations taken together in the case of semester scheme, irrespective of the number of papers in which a candidate actually appeared at the examination.

N.B. Non-collegiate candidates are not eligible to offer dissertation as per provisions of O. 170-A.

Rj/Taw
DY. Registrar
JABUL

एम.ए. (पूर्वाद्ध) हिन्दी

- प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास
द्वितीय प्रश्न पत्र : मध्यकालीन काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र : साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)
चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी गद्य (उपन्यास, कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)

एम.ए. (उत्तराद्ध) हिन्दी

- प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी गद्य (नाटक, निबंध एवं आलोचना)
द्वितीय प्रश्न पत्र : प्राचीन एवं निर्गुण काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान
चतुर्थ प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य
पंचम प्रश्न पत्र : विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)

एम.ए. (पूर्वाद्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

हिन्दी साहित्येतिहास के लेखन का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्यधाराएं—सिद्धनाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति की कीर्तिलता और पदावली, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएं।

मध्यकाल : भक्ति आंदोलन, उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य।

हिन्दी संत काव्य – वैचारिक आधार, भारतीय धर्म साधना और हिन्दी का संत काव्य, प्रमुख संत कवि – कबीर, नानक, दादू, रैदास, रज्जब, तथा जम्भनाथ।

हिन्दी सूफी काव्य—वैचारिक आधार, हिन्दी में प्रेमाख्यानों की परम्परा, सूफी प्रेमाख्यान का स्वरूप, हिन्दी का सूफी काव्य, प्रमुख सूफी कवि—मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन तथा जायसी।

हिन्दी कृष्ण काव्य – वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, कृष्ण भक्ति शाखा के कवि और काव्य। प्रमुख कवि – सूरदास, नन्ददास, मीरा, रसखान।

हिन्दी राम काव्य – वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य।

रीतिकाल – नामकरण की समस्या, तत्कालीन दरवारी संस्कृति और रीतिकाल, प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध) रीतिकाल के प्रमुख कवि – केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, घनानन्द तथा पद्माकर।

आधुनिक काल का काव्य :

1857 की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल। द्विवेदी युग – महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, प्रमुख काव्यधाराएँ – छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।

आधुनिक काल का गद्य साहित्य :

उपन्यास, कहानी, नाटक, आलोचना, निबंध एवं अन्य विधाएँ

अंक विभाजन :

कुल पाँच प्रश्न

(20 x 4 = 80 अंक)

अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा।

(10 x 2 = 20 अंक)

सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशसित ग्रंथ :

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र (स)

आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ. लक्ष्मीसागर वर्ण्य

हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार शर्मा

हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : यच्चन सिंह

हिन्दी साहित्य और संवदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

Raj [Jaw]

एम.ए. (पूर्वाद्धि) हिन्दी

द्वितीय प्रश्न पत्र : मध्यकालीन काव्य

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. भ्रमरगीत सार : सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल (पद संख्या 164 से 214 तक कुल 50 पद)
2. विनय पत्रिका : गीता प्रेस गोरखपुर (पद संख्या 76 से 116 तक कुल 40 पद)
3. बिहारी रत्नाकर : 101 से 200 तक
4. दादूदयाल : श्री दादूवाणी— सं रामप्रसाद दास स्वामी, प्रकाशक दादूदयालु महासभा, जयपुर। अथ राग असावरी, पद संख्या 213 से 245 तक
5. घनानन्द कवित्त : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, प्रकाशन (प्रारम्भ के 50 पद)
6. मीरा मुक्तावली : सम्पादक नरोत्तम स्वामी, श्रीराम मेहरा, आगरा (पद संख्या 26 से 75)

अंक विभाजन :

कुल चारों व्याख्याएँ : प्रत्येक कवि से व्याख्या पूछी जायेगी। विकल्प देय होगा (10 X 4 = 40 अंक)
कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न। प्रत्येक कवि से प्रश्न अपेक्षित है। विकल्प देय होगा। (15 X 4 = 60 अंक)

अनुशासित ग्रंथ :

1. सूर का भ्रमरगीत : डॉ. शंकरदेव अवतारे
2. सूरदास : ब्रजेश्वर वर्मा
3. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय : डॉ. दीनदयालु गुप्त, हिन्दी साहित्य सम्मेलन।
4. सूर की काव्य कला : डॉ. मनमोहन गौतम, भारतीय साहित्य मंदिर दिल्ली।
5. तुलसी : डॉ. उदयभानु सिंह
6. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नगरी प्रचारिणी सभा।
7. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाराणसी।
8. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. स्वच्छंद काव्यधारा और घनानन्द : डॉ. मनोहरलाल गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
10. आनन्द घन : डॉ. रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
11. मीरा पदावली : डॉ. शम्भू सिंह मनोहर
12. मीराबाई : पदमावती शबनम
13. उत्तरी भारत की संत परम्परा - परशुराम चतुर्वेदी
14. श्री दादूपंथ का परिचय - प्रथम, द्वितीय, तृतीय भाग - स्वामी नारायणदास।
15. संत साहित्य की रूपरेखा - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी।

Reg. / Jaw
Dy. Registrar
(Academic)
University of Patna
PATNA

एम.ए. (पूर्वाद्ध) हिन्दी

तृतीय प्रश्न पत्र : साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यंश :

- क. साहित्य की परिभाषा, साहित्य की प्रमुख विधाओं के सैद्धान्तिक स्वरूप और विवेचना – प्रबन्धकाव्य (महाकाव्य, खण्डकाव्य), मुक्तक काव्य (गीति काव्य, प्रगीतिकाव्य) उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, आत्मकथा, जीवनी, रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्टाज।
- ख. भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास एवं काव्यशास्त्र के विविध सम्प्रदाय : रस, ध्वनि, वक्रोक्ति, रीति, अलंकार, औचित्य।
- ग. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – प्लेटो, अरस्तु, लॉजाइन्स, इलियट, क्रोचे, मार्क्स और आई.ए. रिचर्ड्स के काव्य सिद्धान्त।
- घ. हिन्दी के प्रमुख आलोचक – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, रामस्वरूप चतुर्वेदी।
- ङ. आलोचना (सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक)
1. हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास
 2. हिन्दी का आलोचना शास्त्र – पाठालोचन, सैद्धान्तिक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोवैज्ञानिक, नयी समीक्षा।

अंक विभाजन :

- क. प्रथम चार इकाइयों से एक-एक प्रश्न पूछा जायेगा। (20 X 4 = 80 अंक)
- ख. पांचवी इकाई से टिप्पणीपरक प्रश्न पूछा जायेगा। (कुल दो टिप्पणियों) (10 X 2 = 20 अंक)
- प्रत्येक प्रश्न का आंतरिक विकल्प देय होगा।

अनुशंसित ग्रंथ :

1. साहित्यालोचन : श्यामसुन्दर दास
2. काव्यशास्त्र : डॉ. भागीरथ मिश्र
3. भारतीय साहित्यशास्त्र भाग एक : बलदेव उपाध्याय
4. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ. नगेन्द्र
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : शांतिस्वरूप गुप्त
8. समीक्षालोक : डॉ. भागीरथ मिश्र
9. पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
10. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त : गोविन्द त्रिगुणायत
11. भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी।

Pg. (Tax)

Dy. Res.
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. (पूर्वाद्ध) हिन्दी

चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी गद्य (उपन्यास, कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

पाठ्यांश :

1. गोदान : प्रेमचन्द
2. बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. अतीत के चलचित्र - महादेवी वर्मा
4. निर्धारित आधुनिक कहानियाँ :

दोपहर का भोजन	-	अमरकान्त
खोई हुई दिशाएँ	-	कमलेश्वर
बीच बहस में	-	निर्मल वर्मा
ठेस	-	फणीश्वरनाथ रेणु
अमृतसर आ गया	-	भीष्म साहनी
यही सच है	-	मन्नू भण्डारी
एक और जिन्दगी	-	मोहन राकेश
जहाँ लक्ष्मी कैद है	-	राजेन्द्र यादव
प्रेत मुक्ति	-	शैलेश मटियानी
भेड़िए	-	भुवनेश्वर
हंसा जाई अकेला	-	मार्कण्डेय
कोसी का घटवार	-	शेखर जोशी
बिनाशदूत	-	मृदुला गर्ग
पच्चीस चौका डेढ़ सौ	-	ओमप्रकाश वाल्मीकि

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ : प्रत्येक खण्ड से एक-एक (10 X 4 = 40 अंक)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न : प्रत्येक से एक-एक आन्तरिक विकल्प देय (15 X 4 = 60 अंक)

अनुशासित ग्रंथ :

1. प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान : कमलकिशोर गोयनका
2. गोदान : गोपालराय
3. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : संपादक भीष्म साहनी और रामजी मिश्र
4. हिन्दी उपन्यास : उपलब्धियाँ, डॉ. लक्ष्मीसागर वर्ग्य
5. हिन्दी उपन्यास : शिवनारायण श्रीवास्तव
6. मन्नू भण्डारी का कथा साहित्य, गुलाबराव हाडे
7. नई कहानी : संवेदना और शिल्प : राजेन्द्र यादव
8. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेन्द्र तिवारी
9. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान : डॉ. रामदरश मिश्र
10. एक दुनिया समानान्तर : सम्पादक राजेन्द्र यादव
11. प्रतिनिधि कहानियाँ : स्वयंप्रकाश
12. कहानी : नई कहानी : डॉ. नामवर सिंह
13. कथाकार मन्नू भण्डारी : अनीता राजूरकर

Rajiv
DY. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR